एनटीसीए की उपलब्धियां

***संदर्भ**: राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने हाल ही में 2023 की अपनी उपलब्धियों पर एक पेपर जारी किया है।*

➢ प्रोजेक्ट टाइगर की 50वीं वर्षगांठ समारोह:

- इस समारोह के दौरान माननीय प्रधानमंत्री 9 अप्रैल, 2023 को मैसूर, कर्नाटक में स्मारक कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।
- इस संदर्भ में 'बाघ संरक्षण के लिए अमृत काल का विजन' नामक एक प्रकाशन भी जारी किया गया है।
- प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने पर एक स्मारक सिक्के का अनावरण किया गया है।

➢ भारत में बाघों की जनसंख्या तथा वैश्विक नेतृत्व:

- विश्व की 70% से अधिक जंगली बाघों की आबादी भारत में विद्यमान है, जिसमें न्यूनतम 3,167 बाघ हैं।
- इसके लिए अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2022 रिपोर्ट का 5वां संस्करण जारी किया गया है।
- उक्त प्रकाशन में बाघों की 6.1% की सराहनीय वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है।

➢ इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (आईबीसीए):

- माननीय प्रधानमंत्री ने विश्व स्तर पर सात बड़ी बिल्लियों की प्रजाति के संरक्षण के लिए IBCA पहल की शुरुआत की है।
- इस पहल का उद्देश्य बाघों, शेरों, तेंदुओं, हिम तेंदुओं, चीतों, जगुआर और प्यूमा के संरक्षण के लिए वैश्विक सहयोग को मजबूत करना है।

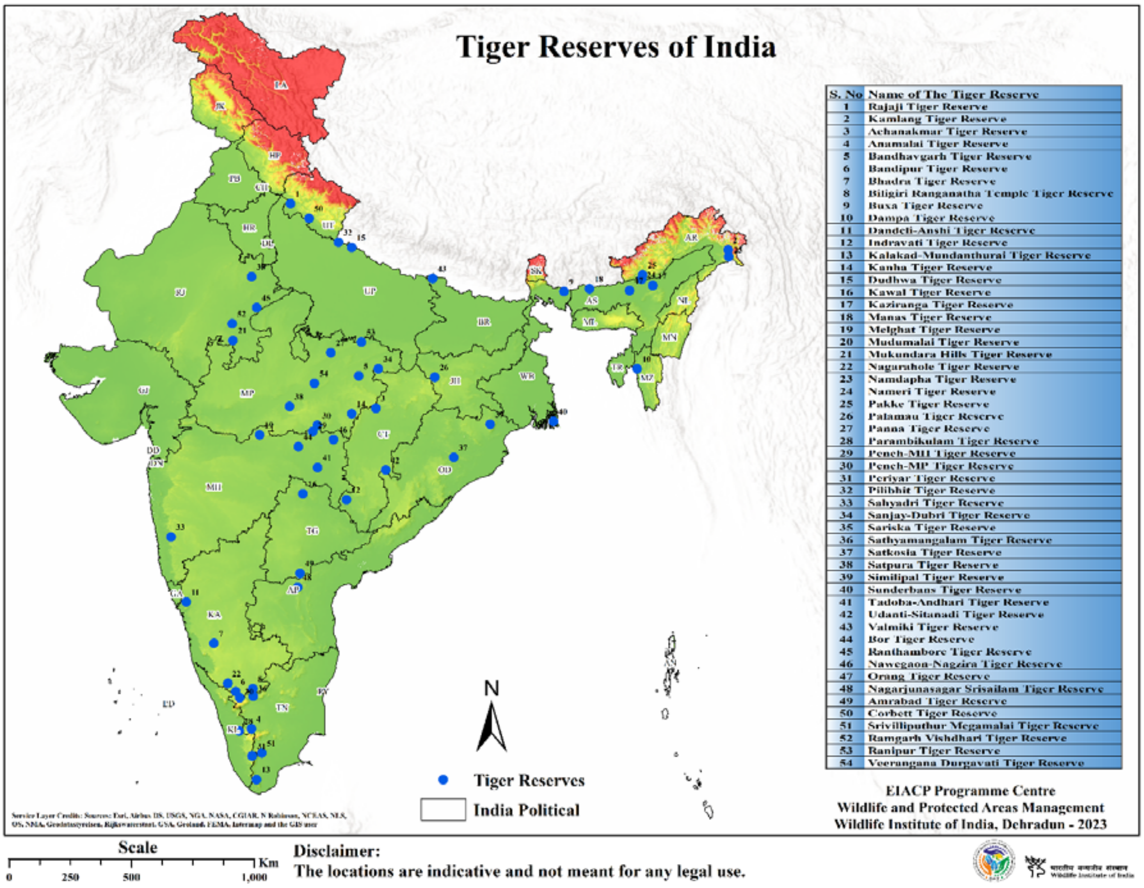

➢ बाघ संरक्षण के लिए अमृत काल का विज़न:

- इस स्मारक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा एक विजन योजना जारी की गई।
- इसका उद्देश्य क्षेत्रीय एकीकरण और अभिसरण के माध्यम से भावी पीढ़ी के लिए बाघों को बेहतर स्थिति में बनाए रखना है।

➢ चीता पुन: परिचय परियोजना:

- इस परियोजना का उद्देश्य विलुप्त होने के बाद भारत में चीता का ऐतिहासिक पुनर्वास करना है।
- इसके लिए नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया गया है।
- चीता संरक्षण प्रयासों में उपलब्ध चीता आबादी के लिए एक दूसरा घर स्थापित करना शामिल है।

➢ बाघ अभयारण्यों का प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (एमईई):

- एमईई का 5वां संस्करण वर्ष 2022 में 51 बाघ अभयारण्यों के लिए आयोजित किया गया था।
- साथ ही जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में **'ग्लोबल टाइगर डे इवेंट 2023'** के दौरान एक रिपोर्ट जारी की गई।
- इस रिपोर्ट के अनुसार कुल बारह टाइगर रिजर्व ने 'उत्कृष्ट' श्रेणी प्राप्त की थी।

➢ बाघों का पुन: परिचय और नये अभ्यारण्य:

- विभिन्न अभ्यारण्यों में बाघों के पुन: परिचय के लिए सक्रिय प्रबंधन पहल किया जा रहा है।
- मध्य प्रदेश में नए बाघ अभ्यारण्य **"रानी दुर्गावती"** की घोषणा की गई, जिससे इस समय कुल अभ्यारण्य 54 हो गए।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **संरक्षण सुनिश्चित बाघ मानक (सीए/टीएस) मान्यता:**
  - वर्तमान वर्ष में छह बाघ अभयारण्यों को सीए/टीएस मान्यता प्रदान की गई है।
  - भारत में कुल 23 बाघ अभ्यारण्यों को इस समय CA/TS मान्यता प्राप्त हुई है।
- **टाइगर रेंज देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग:**
  - सुंदरवन में सीमा पार संरक्षण के लिए बांग्लादेश के साथ द्विपक्षीय बैठकें आयोजित की जा रही है।
  - बाघ संरक्षण और सम्बंधित क्षेत्र के मूल्यांकन के लिए कंबोडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जा रहा है।
- **टाइगर रिज़र्व को अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार:**
  - मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के पेंच टाइगर रिज़र्व और सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व को Tx2 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।
- **बाघ मृत्यु दर और संरक्षण चुनौतियाँ:**
  - राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा जारी रिपोर्ट में बाघों की मृत्यु पर प्रकाश डाला गया है, NTCA ने इस संदर्भ को गंभीरता से लेने पर बल दिया है।
  - 25 दिसंबर, 2023 तक 177 बाघों की मृत्यु की सूचना मिली, जिसमें सर्वाधिक संख्या महाराष्ट्र में दर्ज की गई। यद्यपि आधे से अधिक मौतें बाघ अभयारण्यों के बाहर हुई।
  - इसके लिए पारदर्शिता पर जोर दिया जा रहा है और मृत्यु दर विश्लेषण में प्राकृतिक कारणों पर विचार किया जा रहा है।
- **समग्र प्रगति और वर्तमान समस्याएं:**
  - इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के वन्य बाघ की प्रति वर्ष 6% की स्वस्थ वृद्धि दर दिखाते हैं।
  - कई क्षेत्रों में उचित प्रगति के बावजूद, अवैध शिकार और आवास विखंडन जैसी चुनौतियाँ आज भी बनी हुई हैं।
  - एनटीसीए आवासों और गलियारों की सुरक्षा के लिए वन विभागों के साथ सहयोग करने का निरंतर प्रयास कर रहा है।

11वीं शताब्दी की जैन मूर्तियाँ

संदर्भ: *इस सप्ताह की शुरुआत में मैसूर जिले के वरुणा गांव में 11वीं शताब्दी की तीन जैन मूर्तियां मिलीं हैं।*

- इन मूर्तियों को मैसूरु जिले के वरुणा गांव में जल निकासी कार्य के दौरान मलबे के ढेर में खोजा गया था।
- इन तीन मूर्तियों में से एक गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त थी, जबकि अन्य दो अपेक्षाकृत अच्छी स्थिति में थीं।
- सभी प्राप्त मूर्तियों में से एक जैन तीर्थंकर की प्रतीत होती है, लेकिन मिटाए गए या क्षतिग्रस्त प्रतीकों के कारण इसकी पहचान की पुष्टि करना चुनौतीपूर्ण है।
- हालाँकि इन जैन मूर्तियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के परिसर में पुरातत्व संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया है।

- **जैन मूर्तियों की कलात्मक विशेषता:**
  - **तीर्थंकरों का चित्रण:**
    - जैन मूर्तियां अपनी नाजुक छवियों के माध्यम से जैन तीर्थंकरों की प्रतिभा को प्रदर्शित करती हैं।
    - ये मूर्तियां चौबीस तीर्थंकरों में से किसी का भी प्रतिनिधित्व कर सकती हैं, जिसमें पार्श्वनाथ, ऋषभनाथ और महावीर सहित कई लोकप्रिय जैन चित्रण शामिल हैं।
  - **मथुरा मूर्तिकला स्कूल:**
    - यह मथुरा के आसपास विकसित, उत्तरापथ पर एक प्रमुख शहर और कुषाणों की दूसरी राजधानी में पल्लवित हुई है।
    - खोजी गई सभी छवियां तीनों धर्मों (बौद्ध धर्म, ब्राह्मण धर्म और जैन धर्म) को शामिल करती हैं।
    - इसे समीप के अरावली क्षेत्र से लाल धब्बेदार बलुआ पत्थर का उपयोग करके तैयार किया गया।
  - **मथुरा मूर्तिकला में जैन मूर्तियों की विशेषताएं:**
    - बैठे या खड़े मुद्रा जैन का चित्रण।
    - खड़े जैन सीधे हैं और उनके हाथ घुटनों तक पहुंच रहे हैं, जबकि बैठे हुए जैन पद्मासन में हैं और उनके हाथ ध्यान मुद्रा में हैं।
    - जैन आम तौर पर नग्न होकर, वे अपने सिंहासन या छाती पर प्रतीक द्वारा प्रतिष्ठित 24 तीर्थंकरों की पूजा करते हैं।
- **स्तूप -** जैन स्तूप, स्वस्तिक, जुड़वां मछली के प्रतीक और विभिन्न दृश्यों को दर्शाने वाले वर्गाकार स्लैब आकार के हैं। इनमे से कुछ को मथुरा के कंकाली टीला में नष्ट हुए स्तूप से प्राप्त किया गया है।
- **जैन मूर्तियों के उदाहरण:**
  - **लोहानीपुर:**
    - (पाटलिपुत्र, बिहार) यहाँ से प्राप्त पॉलिशदार बलुआ पत्थर की मूर्ति, एक क्षतिग्रस्त जैन तीर्थंकर का प्रतिनिधित्व करती है।
  - **गोपाचल रॉक-कट जैन स्मारक:**
    - यह मध्य प्रदेश के ग्वालियर किले की दीवारों के आसपास स्थित है।
    - यहाँ तीर्थंकरों को विशिष्ट रूप से नग्न रूप में बैठे हुए पद्मासन और कायोत्सर्ग मुद्रा में दर्शाया गया है।
  - **वसंतगढ़:**
    - राजस्थान में अवस्थित इस स्थान से, 240 जैन कांस्य मूर्तियों की खोज की गई है जो जैन उपस्थिति का एक सशक्त प्रमाण देता है।
    - यहाँ से प्राप्त मूर्तियों में तीर्थंकर, शशांदेवता (यक्ष और यक्षी) और श्वेतांबर प्रतिमा में जैन तीर्थंकरों की छवियां विद्यमान हैं।

भारतीय नौसेना में एडमिरलों के लिए नए एपॉलेट्स

संदर्भ: *भारतीय नौसेना ने हाल ही में एडमिरल के एपॉलेट्स संस्करण का एक नया डिजाइन पेश किया है, जिसमें नौसेना के ध्वज और छत्रपति शिवाजी की राजमुद्रा दोनों से प्रेरित एक अष्टकोण शामिल है।*

- **समुद्री विरासत का प्रतीक:**
  - नौसेना इस नए एपॉलेट्स को "हमारी समृद्ध समुद्री विरासत का सच्चा प्रतिबिंब" बताती है।
  - यह पराधीनता की मानसिकता जिसे "गुलामी की मानसिकता" कहा जाता है; से निकलने का प्रतीक है।
- **रैंकों का नाम परिवर्तन:**
  - भारतीय नौसेना ने अपनी विशिष्ट पहचान के साथ एक मजबूत संबंध स्थापित करने के लिए, वर्तमान में ब्रिटिश नामकरण के आधार पर प्रचलित रैंकों का नाम बदलने की योजना बनाई है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- सभी पहलुओं में "भारतीयता" को अपनाने की दिशा में एक प्रयास किया गया है, इसके तहत "पंच प्राण - विरासत पर गर्व और गुलामी की मानसिकता से मुक्ति" के स्तंभों के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश की गई है।

testbook

OFFICER RANKS OF THE INDIAN ARMY, AIR FORCE & NAVY COMMISSIONED OFFICERS

ARMY	NAVY	AIR FORCE
Field Marshal	Admiral of the Fleet	Marshal of the Indian Air Force
General	Admiral	Air Chief Marshal
Lieutenant General	Vice Admiral	Air Marshal
Major General	Rear Admiral	Air Vice Marshal
Brigadier	Commodore	Air Commodore
Colonel	Captain	Group Captain
Lieutenant Colonel	Commander	Wing Commander
Major	Lieutenant Commander	Squadron Leader
Captain	Lieutenant	Flight Lieutenant
Lieutenant	Sub-Lieutenant	Flying Officer

➤ **प्रतीकात्मक डिज़ाइन तत्व:**

- नए एपॅालेट्स में एक सुनहरा नेवी बटन शीर्ष पर है, इसके बाद एक अष्टकोण, एक भारतीय तलवार, एक क्रॉस दूरबीन और रैंकों को दर्शाने वाले सितारे हैं।

➤ **नौसेना प्रतीक चिन्ह के साथ संरेखण:**

- नए एपॅालेट्स नौसेना के प्रतीक चिन्ह के साथ संरेखित होते हैं, जो एक सामंजस्यपूर्ण दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

➤ **पूर्वगामी पहल:**

- सितंबर 2022 में, आईएनएस विक्रांत के कमीशनिंग के दौरान, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक नए नौसेना ध्वज का अनावरण किया था।
- इसी दौरान उन्होंने भारतीय परंपराओं के अनुरूप रैंकों का नाम बदलने की नौसेना की मंशा की भी घोषणा की थी।

➤ **प्रत्येक डिज़ाइन तत्व का प्रतीकात्मक महत्व:**

- **गोल्डन नेवी बटन:**
  - यह पराधीनता की मानसिकता जिसे 'गुलामी की मानसिकता' भी कहा जाता है, को समाप्त करने के संकल्प का प्रतीक है।
  - साथ ही यह स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व भी करता है।
- **अष्टकोण:**
  - यह आठ दिशाओं का प्रतिनिधित्व करता है, जो बलों की व्यापकऔर सर्वव्यापी दृष्टि का प्रतीक है।
  - यह दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य को दर्शाते हुए, चुनौतियों के प्रति रणनीतिक दृष्टिकोण का संकेत भी देता है।
- **भारतीय तलवार:**
  - यह राष्ट्रीय शक्ति के अग्रणी के रूप में सेवा करने के लिए नौसेना के मुख्य उद्देश्य पर जोर देता है।
  - यह सैन्य शक्ति की अत्याधुनिकता का प्रतीक भी है, जिसका लक्ष्य युद्धों में जीत हासिल करना, विरोधियों पर हावी होना और चुनौतियों पर विजय पाना है।
- **टेलीस्कोप:**
  - यह नौसेना की दीर्घकालिक दृष्टि और दूरदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।
  - साथ ही यह लगातार बदलती दुनिया की जटिलताओं को सुलझाने में "पैनी नज़र" के समान एक सतर्क दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।
  - इसके अतिरिक्त इस प्रतीक के माध्यम से उभरती चुनौतियों का सामना करने में तैयारियों और रणनीतिक योजना के महत्व पर प्रकाश डाला गया है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

नंदनकानन प्राणी उद्यान

हाल ही में, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने ओडिशा सरकार को दुबई सफारी पार्क से नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क, भुवनेश्वर में चीता, अफ्रीकी शेर और चिंपैंजी के नियोजित स्थानांतरण की अनुमति प्रदान की है।

नंदनकानन प्राणी उद्यान के बारे में:

- नंदनकानन प्राणी उद्यान (NZP) ओडिशा में एक वनस्पति उद्यान और प्राणी उद्यान है।
- 29 दिसंबर, 1960 को भारत सरकार ने "नंदनकानन" नामक नए जैविक पार्क का उद्घाटन किया।
- 2009 में, यह वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ़ ज़ूज़ एंड एक्वेरियम्स (WAZA) में शामिल होने वाला भारत का पहला चिड़ियाघर बन गया।
- यह सफेद बाघ और मेलानिस्टिक बाघ का प्रजनन करने वाला विश्व का पहला चिड़ियाघर है।
- नंदनकानन भारत का एकमात्र चिड़ियाघर है जिसके नाम पर एक एक्सप्रेस ट्रेन पुरी-नई दिल्ली एक्सप्रेस का नाम "नंदनकानन एक्सप्रेस" रखा गया है।
- नंदनकानन भारत का पहला चिड़ियाघर है जहाँ लुप्तप्राय रैटल का जन्म हुआ था।
- चिड़ियाघर में जानवरों की 166 से अधिक प्रजातियाँ हैं, जिनमें 1175 स्तनधारी, 1546 पक्षी, 262 सरीसृप और 21 उभयचर शामिल हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

कुवेम्पु पुरस्कार

हाल ही में, प्रसिद्ध बंगाली लेखक सिरशेंदु मुखोपाध्याय को कर्नाटक के तीर्थहल्ली तालुक में राष्ट्रकवि कुवेम्पु ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक समारोह में कुवेम्पु पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कुवेम्पु पुरस्कार के बारे में:

- कुवेम्पु राष्ट्रीय पुरस्कार दिवंगत कवि कुवेम्पु की स्मृति में प्रतिवर्ष किसी एक लेखक को प्रदान किया जाता है।
- राष्ट्रकवि कुवेम्पु ट्रस्ट 2013 से यह पुरस्कार प्रदान कर रहा है।
- इस पुरस्कार में 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक रजत पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।
- 2022 में, तमिल कवि वी. अन्नामलाई को कुवेम्पु राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया था।
- 2020 में उड़िया कवि डॉ. राजेंद्र किशोर पांडा को यह पुरस्कार मिला।
- कुवेम्पु को 20वीं सदी का सबसे महान कन्नड़ कवि माना जाता है।
- कुवेम्पु को उनकी कृति श्री रामायण दर्शनम के लिए 1967 में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया जो यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले कन्नड़ लेखक थे।

सिंथेटिक हीरा

हाल ही में, भारत और हांगकांग ने सिंथेटिक हीरे के व्यापार में शामिल एक सिंडिकेट को समाप्त करने के लिए परस्पर सहयोग किया।

सिंथेटिक हीरे के बारे में:

- सिंथेटिक हीरा, जिसे प्रयोगशाला में विकसित हीरा कहा जाता है, को नियंत्रित प्रयोगशाला वातावरण में बनाया जाता है।
- इसमें प्राकृतिक हीरे के समान भौतिक और ऑप्टिकल गुण होते हैं और इसे समान रंगों और स्पष्टता में विकसित किया जा सकता है।
- इसका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक्स में उच्च-शक्ति वाले लेजर डायोड, लेजर सरणियों और उच्च-शक्ति ट्रांजिस्टर के लिए ताप प्रसारक के रूप में किया जाता है।
- इसका उपयोग कटर के रूप में और अन्य उपकरणों तथा मशीनरी में भी किया जाता है।
- इसमें उच्च तापीय चालकता है, लेकिन नगण्य विद्युत चालकता होती है।
- प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले हीरे की तुलना में इसका पर्यावरणीय प्रभाव भी बहुत कम होता है।
- इसे बड़े प्रेसों का उपयोग करके बनाया गया है जो 1,500 डिग्री सेल्सियस (2,730 डिग्री फारेनहाइट) पर 5 जीपीए (730,000 पीएसआई) का दबाव उत्पन्न करने के लिए सैकड़ों टन भार उत्पन्न कर सकते हैं।
- एक अन्य विधि में रासायनिक वाष्प जमाव (सीवीडी) शामिल है, जो एक सब्सट्रेट पर कार्बन प्लाज्मा बनाता है जिस पर कार्बन परमाणु हीरे बनाने के लिए जमा होते हैं।

चर्चित स्थल

कुरील द्वीप समूह

हाल ही में, राष्ट्रीय भूकम्प विज्ञान केंद्र ने बताया कि जापान के कुरील द्वीपसमूह में रिक्टर स्केल 6.3 का भूकंप आया था।

कुरील द्वीपसमूह के बारे में:

- कुरील द्वीपसमूह एक ज्वालामुखी द्वीपसमूह है जो 19वीं सदी के मध्य से रूस और जापान के बीच विवादित क्षेत्र रहा है।
- ये द्वीप रूस के सुदूर पूर्व में सखालिन ओब्लास्ट का हिस्सा हैं जो जापान के होक्काइडो से रूस के कम्चटका प्रायद्वीप तक विस्तृत हैं।
- कुरील द्वीपसमूह 56 द्वीपों और छोटी चट्टानों से बना है और 6,000 वर्ग मील के क्षेत्र को आच्छादित करता है।
- यह श्रृंखला भूगर्भिक अस्थिरता की बेल्ट का हिस्सा है और इसमें कम से कम 100 ज्वालामुखी हैं, जिनमें से 35 अभी भी सक्रिय हैं, और कई गर्म झरने हैं।
- जापान इसे उत्तरी क्षेत्र, जबकि रूस इसे दक्षिणी कुरील कहता है।
- इस क्षेत्रीय विवाद ने द्वितीय विश्व युद्ध की शत्रुता को आधिकारिक रूप से समाप्त करने मे रूस और जापान के बीच एक औपचारिक शांति संधि पर हस्ताक्षर करने में बाधा उत्पन्न की है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

चर्चित स्थल **निकारागुआ**	हाल ही में 303 भारतीयों को निकारागुआ ले जाने वाली उड़ान को संदिग्ध मानव तस्करी के कारण फ्रांस में रोक दिया गया था, जो इस साल की तीसरी घटना है। **निकारागुआ (राजधानी: मानागुआ)** **अवस्थिति:** निकारागुआ कैरेबियन सागर और प्रशांत महासागर के बीच स्थित सबसे बड़ा मध्य अमेरिकी देश है। **सीमाएँ:** निकारागुआ अपनी सीमा कैरेबियन (पूर्व), प्रशांत महासागर (पश्चिम), होंडुरास (उत्तर) और कोस्टा रिका (दक्षिण) के साथ साझा करता है। **भौतिक विशेषताऐं:** ▪ निकारागुआ को "आग और पानी की भूमि" के रूप में जाना जाता है क्योंकि इसमें कई ज्वालामुखी और झीलें हैं। इसकी दो तटरेखाएँ भी हैं। ▪ मोगोटन निकारागुआ का सबसे ऊँचा स्थान है। ▪ निकारागुआ झील (कोसिबोल्का) मध्य अमेरिका की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है। ▪ कोको नदी, जिसे वांग्की नदी के नाम से भी जाना जाता है होंडुरास और निकारागुआ की सीमा पर प्रवाहित होती है। ▪ निकारागुआ प्राकृतिक संसाधनों से भी समृद्ध है, जिसमें सोना, चांदी, जस्ता, तांबा, लौह अयस्क, सीसा और जिप्सम के भंडार शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- कोलीमा नदी किस पर्वत श्रृंखला को काटती है? **- वर्खोयांस्क पर्वत श्रृंखला (Verkhoyansk Range)**
- बहुधात्विक फेरोमैंगनीज (Fe-Mn) गांठें और क्रस्ट मुख्य रूप से कहाँ स्थित हैं? **- अंडमान सागर और लक्षद्वीप सागर**
- पेय जल में अत्यधिक नाइट्रेट की उपस्थिति से कौन से स्वास्थ्य खतरे उत्पन्न हो सकते हैं? **- मेथेमोग्लोबिनेमिया या ब्लू बेबी सिंड्रोम (Methaemoglobinaemia or blue baby syndrome)**
- भारत के किस राज्य में नियोरा वैली राष्ट्रीय उद्यान स्थित है? **- पश्चिम बंगाल**
- स्वामी श्रद्धानंद किस आंदोलन में शामिल हुए लेकिन बाद में गांधी जी से असहमति के कारण अलग हो गए ? **- असहयोग आंदोलन**